मंदरिये में आके थारे सांवरा जाने को मन कोन्या रे करे लिरिक्स

मंदरिये में आके थारे सांवरा,
जाने को मन कोन्या रे करे,
देवरिये में आके थारे सांवरा,
जाने को मन कोन्या रे करे।bd।

देसी घी को खानो बाबा,
घणो म्हाने भावे है,
खाने में बाबा म्हाने,
स्वाद घणो आवे है,
पेट भर जावे म्हारा सांवरा,
पर मन म्हारो कोन्या रे भरे,
मंदिरिये में आके थारे सांवरा,
जाने को मन कोन्या रे करे।bd।

ग्यारस ने बाबा थारी,
हाजरी बजावा हाँ,
'शुभम-रूपम' के सागे,
भजन सुनावा हाँ,
जागा म्हे तो सारी सारी रात,
पर सोने को मन कोन्या रे करे,
मंदिरिये में आके थारे सांवरा,
जाने को मन कोन्या रे करे।bd।

मंदरिये में आके थारे सांवरा,
जाने को मन कोन्या रे करे,
देवरिये में आके थारे सांवरा,
जाने को मन कोन्या रे करे।bd।

Singer – Shubham Rupam Bajoria

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com